DATE 4.11.24
PAGE No. 1

Tender Heart High School, Sec. 33-B, CHD.

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-12 'बालक हम्मीर') कविता 1
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'
पुस्तक - नवतरंग - 8 भाग 1

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा आठवीं की हिंदी साहित्य की पुस्तक नवतरंग - 8 के पृष्ठ - 99 पर दी गई कविता पाठ-12 'बालक हम्मीर' को पढ़ेंगे। यह कार्य आपको 4 नवंबर, 2024 को भेजा जा रहा है।

सब बच्चे इस कविता को ध्यान से पढ़ेंगे, समझेंगे और कराए गए कार्य को लिखेंगे। बच्चो! यह कविता रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित है। यह कविता साहस, निर्भीकता, कर्तव्यबोध एवं देशभक्ति पर आधारित है। दिनकर जी राष्ट्रकवि कहे जाते हैं।

बच्चो! खिलजी वंश के दूसरे शासक अलाउद्दीन खिलजी ने जब चित्तौड़ पर कब्ज़ा कर लिया तब राणा अजय सिंह अपने भतीजे हम्मीर और बेटों को लेकर अरावली पर्वत पर किले में रहने लगे। राजा मुंज ने वहीं पर उनका अपमान किया था जिसका बदला हम्मीर ने चुकाया था। उस समय हम्मीर की उम्र सिर्फ़ ग्यारह साल की थी। आगे चलकर हम्मीर बहुत बड़ा योद्धा निकला और उसके हठ के बारे में यह कहावत चल पड़ी थी कि 'तिरिया तेल हम्मीर हठ चढ़ै न दूजी बार'। बच्चो! अब हम कविता की कुछ पंक्तियाँ पढ़ेंगे। तत्पश्चात् मैं इसका अर्थ बताऊँगी।

कहते हैं, जब अजयसिंह वन में डाले थे डेरा,
एक रोज़ आ गया किले के भीतर बड़ा लुटेरा।

(पृष्ठ-1)

Scanned with CamScanner

DATE 4.11.24
PAGE No. 2

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-12 'बालक हम्मीर')

राजा मुंज नाम था उसका,
वन में कहीं धाम था उसका,
लूट-मारकर मौज़ मनाना
सबसे बड़ा काम था उसका।

लूट ले गया घर में थी जो बची संपदा थोड़ी,
बच्चों की भी कहीं एक भी चीज़ ना उसने छोड़ी।

बच्चो! यहाँ इन पंक्तियों में बताया गया है कि यह कहा जाता है कि जब चित्तौड़ के राणा अजय सिंह जंगल में डेरा डाले हुए थे। उस समय अरावली पर्वत के किले पर एक लुटेरा आ गया। उस लुटेरे का नाम राजा मुंज था। वह जंगल में किसी अनजान स्थान पर बने घर में रहता था। वह लोगों लूट लेता था और लूटे गए धन से मौज़ मनाना, यह उसका सबसे बड़ा काम था। जब वह किले में और लोगों के घरोंमेंलूट-मार करने के लिए आया तो राणा अजय सिंह के पास जो थोड़ी संपत्ति बची थी, वह उसे लूट कर ले गया। जहाँ तक कि उसने बच्चों के काम आने वाली एक भी चीज़ उसने नहीं छोड़ी। राजा मुंज किले से सब कुछ लूट कर ले गया।
अब मैं कविता की अगली पंक्तियाँ पढ़ रही हूँ।

राणा बेचारे क्या करते?
अगर मारते तो खुद मरते;
दो हाथों से भला अकेले
दो सौ को किस भाँति पकड़ते!

खड़े रहे वे तब भी डाकू ने भाले को तान,
जाते-जाते बना दिया माथे पर एक निशान।

(पृष्ठ-2)

Scanned with CamScanner

DATE 4.11.24
PAGE No. 3

कक्षा- आठवीं शिक्षिका- सुमन शर्मा
विषय- हिंदी साहित्य (पाठ-12 'बालक हम्मीर')

इन पंक्तियों में बताया है कि राणा अजयसिंह अकेले थे। वे बेचारे क्या करते? अगर वे राजा मुंज को मारते तो वे खुद मरते क्योंकि वे अकेले थे अतः लड़ने के लिए उनके केवल दो ही हाथ थे जबकि राजा यानि डाकू मुंज के साथ दो सौ डाकुओं को वे अकेले कैसे पकड़ते? राणा अजय सिंह चुपचाप खड़े रहे फिर भी डाकू मुंज ने भाला उनकी ओर तान दिया। उसने जाते-जाते राणा अजय सिंह के माथे पर भाले से निशान बना दिया। मुंज डाकू ने राणा अजयसिंह के ऊपर भारी प्रहार किया जिससे उनके माथे पर चोट लग गई।

बच्चो! अब मैं आगे की पंक्तियाँ पढ़ूँगी।

भारी चोट आन की खाकर,
हँसी-खुशी मुसकान गँवाकर,
राणा अजयसिंह बैठे थे
एक किनारे अलग लजाकर।

साँझ हुई, हम्मीर खेलकर बाहर से घर आया,
देख चचा की सूरत गम से भरी, बहुत घबराया।

इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि राणा अजयसिंह को भाले की नोंक से माथे पर चोट लगी थी। इससे भी भारी चोट उनके आत्म-सम्मान को लगी थी। उनके मान-सम्मान को गहरी चोट लगी, जिसके कारण उनकी हँसी-खुशी और मुस्कान गायब हो गई। इससे राणा अजय सिंह को आघात लगा और वे लजाकर एक किनारे अलग जाकर बैठ गए।

(पृष्ठ-3)

Scanned with CamScanner

4.11.24

DATE
PAGE No. 4

कक्षा - आठवीं शिक्षिका - सुमन शर्मा
विषय - हिंदी साहित्य (पाठ-12 'बालक हम्मीर')

जब शाम हुई, उस समय बालक हम्मीर बाहर से खेलकर घर आया। उसने जब अपने चाचा की दुख से भरी सूरत देखी तो वह बहुत घबरा गया। आगे की पंक्तियाँ —

कहने लगा - चचा! यह क्या है?
सिर पर कैसा घाव लगा है?
बैठे हैं होकर उदास क्यों?
मन में क्यों तूफ़ान जगा है?

देख नहीं सकता उदास मैं कभी आपको ऐसे
तुरंत मुझे कहिए कि शीश पर घाव लगा यह कैसे?

कवि ने इन पंक्तियों में बताया है कि जब बालक हम्मीर ने अपने चाचा के चेहरे पर उदासी देखी तो उसने आते ही अपने चाचा से पूछा कि आपके सिर पर यह घाव कैसे लगा है? आप उदास होकर क्यों बैठे हैं? आपके मन में कैसा तूफ़ान जगा है। मैं आपको कभी ऐसे उदास नहीं देख सकता। आप मुझे तुरंत बताइए कि यह सिर पर घाव कैसे लगा है! मैं कुछ कठिन शब्दों के अर्थ बता रही हूँ।

शब्दार्थ - (i) धाम - ठिकाना, घर (ii) संपदा - संपत्ति, धन-दौलत (iii) भाला - नुकीला हथियार (iv) तान - तानना (v) आन - आत्म-सम्मान (vi) साँझ - शाम (vii) गम - दुख (viii) घाव - ज़ख्म (ix) उदास - सुस्त (x) शीश - सिर

गृहकार्य :- बच्चो! इस कविता यहीं तक पढ़ेंगे। इसका शेष भाग अगले सप्ताह पढ़ेंगे। सब बच्चे कराए गए कार्य को अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे। शब्दार्थ याद करेंगे।

(अंतिम पृष्ठ - 4)

Scanned with CamScanner